म्हारा हरियाणा , सक्षम हरियाणा

# CREATIVE AND CRITICAL THINKING

# REFERENCE & PRACTICE

# MATERIAL

## Hindi, Class-8

**(क्या निराश हुआ जाए व यह सबसे कठिन समय नहीं आधारित)**

## TESTING AND ASSESSMENT WING

## STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

## GURUGRAM (HARYANA)

**प्रतिमान -1** ('क्या निराश हुआ जाए' पाठ आधारित)

परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। आज हम सब जिस विकास के फल को भोग रहे हैं, वास्तव में वह आदिमानव के परिश्रम का ही परिणाम है। मनुष्य ने अपने कर्म-बल और विज्ञान की सहायता से आकाश, पाताल और पृथ्वी को अपना दास बना लिया है। समाज में दो प्रकार के मनुष्य हैं- एक भाग्यवादी जो केवल भाग्य पर भरोसा करके चलते हैं। किसी प्रकार की मेहनत नहीं करते और न ही किसी कार्य के प्रति उत्साह दिखाते हैं। दूसरी श्रेणी में पुरुषार्थी हैं जिनका उद्देश्य कर्म करके लक्ष्य को प्राप्त करना है। इतिहास ऐसे पुरुषार्थियों से भरा पड़ा है। श्महाराणा प्रताप ने पुरुषार्थ के बल पर दोबारा अपना खोया हुआ राज्य प्राप्त किया। कालिदास घोर परिश्रम करके मूर्ख से विद्वान बन गए। साधनहीन नरेंद्र मोदी जी अपने परिश्रम के बल पर भारत के प्रधानमंत्री बने। बिहार के गया गांव के दशरथ मांझी ने 360 फीट लंबे और 30 फुट चौड़े पहाड़ को चीर कर 90 किलोमीटर के लंबे रास्ते को मात्र 13 किलोमीटर में परिवर्तित कर दिया। पत्नी की असामयिक मृत्यु से उपजे प्रचंड दुख ने उनमें नई संकल्प-शक्ति का प्रसार किया। सत्य है - जीवन के मार्ग सीधे और सरल नहीं होते। ईश्वर भी उन्हीं का साथ देते हैं, जो भाग्य के सहारे न बैठ कर कर्म के सहारे सफलता पाते है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1. पहाड़ों से हमें कौन-कौन से संसाधन प्राप्त नहीं होते हैं -

क. पानी ख. लोहा ,कोयला, जस्ता

ग. वनस्पतियां औषधियां घ. वृक्ष, फल, फूल

2. दशरथ मांझी ने पहाड़ को चीर कर 13 किलोमीटर की सड़क बनाने का संकल्प क्यों लिया?

3. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आप कौन सा मार्ग चुनेंगे?

क. अध्यात्म का ख. पुरुषार्थ का ग. भाग्यवाद का घ. इनमें से कोई नहीं

4. 30 मीटर चौड़े और 50 मीटर लंबे पत्थर का क्षेत्रफल बताएँ।

क. 175 ख. 200 ग. 1500 घ. 250

5. ईश्वर किन लोगों का साथ देते हैं ?

- **गायत्री मल्होत्रा, प्रवक्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जगाधरी, यमुनानगर**

**प्रतिमान -2 ('क्या निराश हुआ जाए' पाठ पर आधारित स्वरचित गद्यांश)**

आजकल टेलीविजन एवं समाचार- पत्रों में चोरी, डकैती , लूट-मार, फरेब, भ्रष्टाचार , लड़ाई-झगड़ा आदि की खबरें देखकर मन निराश हो जाता है। मनुष्य सोचने लगता है कि समाज की व्यवस्था कभी नहीं बदल सकती। प्रेम, सौहार्द, सदाचार, मनुष्यता आदि केवल किताबी बातें रह गई हैं, परन्तु ऐसा नहीं है। आज भी समाज में इंसानियत के लिए कार्य करने वाले सच्चे मनुष्यों की कमी नहीं है। अतः हमें निराश करने वाली परिस्थितियों में भी आशावाद को जिंदा रखना चाहिए, क्योंकि आशा है तो जीवन है। निराशा का रास्ता तो कब्र में जाता है। किसी कवि ने कहा है--

आशा में जीवन, मरण निराशा में है।
उत्थान मनुष्य का बस अभिलाषा में है।

मनुष्य को अपने मन में निराशा का भाव कभी नहीं लाना चाहिए । प्रत्येक व्यक्ति सफलता प्राप्त करना चाहता है ,परंतु सभी सफल नहीं हो पाते । जो सफल नहीं हो पाते हैं, उन्हें दोगुने उत्साह के साथ अपने काम में लग जाना चाहिए, जिससे उनके प्रयास में जो त्रुटियाँ रह गई थीं, वह दूर हो जाएँ । असफलता से आदमी को कभी भी निराश नहीं होना चाहिए बल्कि और भी जोरदार ढंग से प्रयास करना चाहिए ताकि सफलता मिल सके । मनुष्य के जीवन में आशा -निराशा का काल गति के अनुसार चलता ही रहता है । अतः मनुष्य को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना दृढ़ता से करना चाहिए । जब कोई व्यक्ति दिल से किसी लक्ष्य को पाना चाहता है तो उसे प्राप्त कर ही लेता है । निराशावादी स्थितियाँ होने के बावजूद भी संसार में सदाचारी, एवं संवेदनशील लोगों की कमी नहीं है । अतः हमें ऐसे ही लोगों की संगति में रहना चाहिए ताकि हमारे भीतर निराश के भाव ही पैदा न हों । घोर संकटों में भी व्यक्ति को निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि निराशा मनुष्य को अशक्त बना देती है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1. निराशा मनुष्य को अशक्त क्यों बना देती है ?

प्रश्न 2. संवेदनशील एवं सदाचारी लोगों की संगति किस प्रकार लाभदायक है ?

प्रश्न 3. 'उत्थान मनुष्य का बस अभिलाषा में है' पंक्ति का क्या आशय है ?

प्रश्न 4. किसी एक ऐसी घटना का वर्णन करें, जब आपके मन में आशा या निराशा के भाव पैदा हुए हों ।

प्रश्न 5. साल 2016 में पिछले वर्ष की तुलना में एक सामाजिक संस्था ने 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ 605 गरीब कन्याओं का विवाह करवाया। बताइए 2015 में संस्था ने कितनी कन्याओं का विवाह करवाया था ?

(क) 540 (ख) 550 (ग) 560 (घ) 650

- **डॉ. महेंद्र सिंह, बी0 आर0 पी0 हिन्दी, बौन्दकलां ब्लाक**

**प्रतिमान -3 ('क्या निराश हुआ जाए' आधारित )**

मानव आशा राखीए, जब तक घट में प्रान।

निराशा में नही उबरे, मानव यह जहान।।

हम ज्यों ही निराश होकर अपने किसी वृद्धजन के पास जाते है तो वह हमें उपर्युक्त दोहे में निहित भाव को ही हमारे सामने रखता है। अर्थात हमें विकट से विकट परिस्थिति में भी धैर्य और आशा नहीं छोड़नी चाहिए। अनुभवी लोग अपनी सलाह के साथ कोई न कोई अपने जीवन का अनुभव अवश्य सुनाता है। इस वर्ष जब कोरोना नामक नई महामारी आयी तो चारो तरफ हाहाकार मच गया , लॉकडाउन ने लोगों की दिनचर्या को बहुत प्रभावित किया। लगभग 99 प्रतिशत लोगों ने ऐसी स्थिति पहले नहीं देखी लेकिन जब कुछ लोगों ने अपने वृद्धों द्वारा बताई गई। 1918 की स्पेनिश फ्लू का जिक्र किया और इतिहास के पन्नों से कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई, तब जाकर धीरे–धीरे आशा जगी कि हां, अभी बहुत कुछ बाकी है, जीवन यूंही समाप्त नहीं हो जाता। कोरोना से पीड़ित मरीजों को जब सगे–सम्बंधियों ने छूने से इन्कार कर दिया, तब भी उसकी देखभाल के लिए लोग सामने आए और उसके जीवन को पुनः सामान्यः स्थिति में लेकर आए। यहां उन लोगों की भी जान जाने का खतरा था । लेकिन निराशा अगर आई है तो आशा भी धूप के साथ छांव की तरह आती ही है।

**उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

प्रं 1 गद्यांश में निहित भाव को **दो से तीन पंक्तियों में** स्पष्ट कीजिए ?

प्र 2 हर संकट में हमें **किस बात का** ध्यान रखना चाहिए ।

प्र 3 आप या आपके परिवार का **कोई** सदस्य भी कभी निराश हुआ **होगा तो आपने/उन्होंने** उससे कैसे पार पाया था, बताइये।

प्र 4 1 जुलाई को भारत में 22000 कोरोना मरीज मिल रहे थे और 23 जुलाई को 44000 मिले, **तो मरीजों** की संख्या मे **कितने प्रतिशत** वृद्धि हुई ?

**प्र 5 किसी गाँव की जनसँख्या 15000 हो जिसमें स्त्री पुरुष अनुपात 2:3 हो तो स्त्रियों की संख्या कितनी होगी**

**– मामला राम , प्रवक्ता , हिन्दी, रा.वरि.मा.वि. सोंगल, कैथल**

**प्रतिमान -4** (यह सबसे कठिन समय नहीं **आधारित** )

अंधियारों को छोड़ के पीछे,
नया सवेरा गढ़ना होगा।
मुश्किल में पतवार भले हो,
फिर भी आगे बढ़ना होगा।
पतझड़ के पीछे सावन है,
दुख के पीछे सुख भी होगा।
मानो रात बहुत काली है,
उसके बाद उजाला होगा।

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1 आप कोविड-19 के कारण आज के समय को किस प्रकार देख रहे हैं?

प्रश्न 2 जीवन में आए मुश्किल हालात में क्या करना चाहिए?

प्रश्न 3 रात बहुत काली है। वाक्य में शब्द 'बहुत' क्या है?

क. विशेषण प्रविशेषण ग. संज्ञा घ. सर्वनाम

प्रश्न 4 पतझड़ के पीछे सावन है। इस पंक्ति का आप क्या अर्थ समझ रहे हैं?

प्रश्न 5 सूर्योदय की तरफ एक व्यक्ति घूमने की शुरुआत करता है। वह 1 किलोमीटर चलने के बाद बाई तरफ घूम कर 500 मीटर जाता है। फिर बाई और घूम कर 1 किलोमीटर और जाता है। बताइए वह अपने मूल स्थान से कितने मीटर दूर है?

क.2500 ख.1500 ग.500 घ.इनमें से कोई नहीं

– **सुरेश कुमार**, **बी0आर0पी0 हिंदी**, **ब्लाक जगाधरी**

## प्रतिमान -5 ('यह सबसे कठिन समय नहीं' आधारित स्वरचित पद्यांश)

माना कि महामारी फैली है -
मास्क लगाना पड़ रहा है
सामाजिक दूरी रखनी पड़ रही है
बार-बार हाथों को धोना पड़ रहा है
थोड़ा मुश्किल भरा समय है,
पर सबसे कठिन समय नहीं है,
क्योंकि अभी भी किसान खेतों में जा रहे हैं
अभी भी पक्षी कलरव कर रहे हैं
बच्चे पढ़ रहे हैं ; पतंग उड़ा रहे हैं ,
बाजार खुले हैं ,फल -सब्जियाँ-दवाइयाँ आदि सब मिल रही हैं
अभी भी खूब बारिश हो रही है
तथा बच्चे नहा रहे हैं ; मस्ती कर रहे हैं
अतः यह सबसे कठिन समय नहीं ।

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1. आजकल कौन -सी महामारी फैली हुई है ?

(क) कोविड19- (ख) कोविड-20

(ग) कोविड-21 (घ) कोविड-22

प्रश्न 2. कोरोना महामारी में मास्क लगाना तथा सामाजिक दूरी रखना क्यों जरूरी है ?

प्रश्न 3. भारत में अब तक कोरोना वायरस से 123865 लोग संक्रमित हुए हैं । इनमें से 78260 लोग स्वस्थ हो गए तथा 29861 लोग मृत्यु को प्राप्त हो गए । बताइए कितने प्रतिशत लोग अभी भी महामारी से जूझ रहे हैं ?

प्रश्न 4 . अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि इस महामारी में आपको किन -किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है ? किन्ही दो के बारे में लिखिए

प्रश्न 5 . 'यह सबसे कठिन समय नहीं' पंक्ति में कवि के किस मनोभाव की ओर संकेत है ?

(क) निराशा (ख) आशा

(ग) आक्रोश (घ) धीरज

- **डॉ. महेंद्र सिंह, बी0 आर0 पी0 हिन्दी, बौन्दकलां ब्लाक**

## प्रतिमान - 6 (यह सबसे कठिन समय नहीं आधारित )

एक बार दो राज्यों के बीच युद्ध छिड़ गया। छोटे राज्य के सैनिक बहुत डरे हुए थे। उन्हें लग रहा था कि वे हार जाएँगे क्योंकि उनकी संख्या कम थी। इसी कारण से छोटे राज्य के सेनापति ने युद्ध में जाने से मना कर दिया। उसका कहना था कि जब हार निश्चित है तो क्यों युद्ध लड़ने के लिए जाएं ? ऐसी स्थिति को देखकर राजा सोच में पड़ गया, लेकिन वह हार मानने वालों मे से नहीं था। तब राजा एक गॉव में गया और एक फकीर से प्रार्थना की कि क्या आप युद्ध में मेरे सेनापति बनकर जा सकते हैं ? वहॉ खड़े सेनापति को आश्चर्य हुआ कि राजा एक ऐसे फकीर से युद्ध लड़ने को कह रहा है जिसने कभी युद्ध न ही लड़ा और न ही उसे युद्ध का कोई ज्ञान है। फकीर ने राजा की बात मान ली। युद्ध में जाते समय एक मन्दिर के सामने सबको रोका ओर कहा कि युद्ध में जाने से पहले भगवान की मर्जी जान लें। उसने अपनी जेब से एक सिक्का निकाला और बोला मैं ये सिक्का उछालूॅगा। अगर ये सीधा आया तो जीत अपनी पक्की होगी और उल्टा आया तो जीत दुश्मनों की होगी। उसने सिक्का उछाला और वह सीधा आया। तब फकीर ने सबको कहा कि आप सभी निश्चित हो जाओ। जीत हमारी ही होगी क्योंकि सिक्का सीधा गिरा है और ईश्वर हमारे साथ है। फिर क्या था, सभी ने मान लिया कि अब तो जीत पक्की है और युद्ध के लिए निकल पड़े। सैनिक पूरे उत्साह के साथ लड़े और बड़े राज्य की सेना को परास्त कर दिया। युद्ध जीत कर जब वे सभी लौट रहे थे , तब वही मन्दिर बीच में आया सभी वहां रूक कर ईश्वर का धन्यवाद करने लगे कि आपकी कृपा से हम युद्ध जीत गए। तब फकीर बोला कि तुम्हे सिर्फ और सिर्फ तुम्हारी सोच ने जिताया है क्योंकि तुम जीत की आशा से भर गए थे। फकीर ने सिक्का सबको दिखाया। सबने देखा कि वह सिक्का दोनो तरफ से सीधा था।

**उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

प्र. 1 फकीर ने सैनिकों में उत्साह भरने की क्या युक्ति निकाली ?

प्र. 2 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।

प्र. 3 बीमार पड़ने पर आप अपने मित्र को धीरज कैसे बंधवाएँगे ?

प्र. 4 100रू की राशी में 3:4 के हिसाब से 1रू व 50 पैसे के कितने –कितने सिक्के होंगे ?

क 100,150 ख 90, 100 ग 60,80 घ 20,40

प्र. 5 एक सिक्का उछाला जाता है। उसमें हेड आने की सम्भावना (प्राथमिकता) क्या है ?

क 3/4 ख 1/2 ग 2/3 घ 1/4

**– दीपक राविश, प्रवक्ता, रा.उ.वि.नन्दकरण माजरा, कैथल**

**प्रतिमान - 7 (यह सबसे कठिन समय नहीं आधारित )**

हां , हिम्मत नहीं हारनी है हमें
जीवन के अंतिम क्षण तक ।
सूर्यास्त के बाद सुबह भी जरूर होगी,
हर काम की वजह भी जरूर होगी ।
हर तूफ़ान के बाद शांति भी जरूर होगी ,
और हर शान्ति के बाद क्रांति भी जरूर होगी।
मुसीबत आयी है तो हल भी जरूर होगा ,
अगर आज हुआ है तो कल भी जरूर होगा।
टूटा हुआ घोसला फिर बनेगा भी जरूर ,
चिड़िया के चहचहाने से बसेगा भी जरूर।
समय कठिन है तो अच्छा भी जरूर होगा,
झूठा है कोई तो सच्चा भी जरूर होगा ।
बस बनाये रखना है साहस को,
जीवन के अंतिम क्षण तक ।
हां , हिम्मत नहीं हारनी है हमें,
जीवन के अंतिम क्षण तक ।

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1 प्रस्तुत कविता का भाव क्या है ?

प्रश्न 2 हमें जीवन में कभी निराश क्यों नहीं होना चाहिए ?

प्रश्न 3 सूर्यास्त के बाद सुबह भी जरूर होगी - इस वाक्य से आप क्या समझते है ?

प्रश्न 4 इस कविता में ' जरूर ' शब्द का अनेक बार प्रयोग किया गया है जरूर शब्द को लेकर पांच वाक्य बनाइये जो जरूर होंगे ?

प्रश्न 5 हमे मुसीबत का सामना किस प्रकार करना चाहिए ?

**– डॉ. अश्विनी शर्मा, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गुरुग्राम**

**प्रतिमान - 8 (यह सबसे कठिन समय नहीं आधारित )**

"न हताश हो, न निराश करो खुद को
न रुको, अपनी बारी का इंतजार करो ,
जब गिरो तो दर्द को सहना सीखो,
जब हो ताकत तब वार करो।
जो चढ़े हिमालय की चोटी पर,
क्या एक बार में वहाँ पहुँचे होंगे ?
कई बार कदम भी फिसले होंगे ,
इरादे भी दम तोड़ते होंगे,
किसी ने यह उनसे कहा होगा,
चलो कोशिश फिर एक बार करो,
जब गिरो तो दर्द को सहना सीखो,
जब हो ताकत तब वार करो।"

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

प्रश्न-1 कवि ने क्या प्रेरणा दी है?

प्रश्न-2 क्या आप भी अपने जीवन में कभी हताश व निराश हुए हो । यदि हां,तो आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा किससे मिली?

प्रश्न-3 हिमालय की चोटी' माउंटएवरेस्ट 'पर सर्वप्रथम चढ़ने का प्रयास किस व्यक्ति ने किया था?

प्रश्न-4 मन के हारे हार है, मन के जीते जीत "लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करें ।

प्रश्न-5 एक व्यक्ति 8 घंटे प्रतिदिन कार्य करके एक कार्य को 12 दिनों में समाप्त कर सकता है। यदि वह 6 घंटे प्रतिदिन कार्य करें तो वह कार्य कितने दिनों में समाप्त करेगा?

- **किरण रा. क. व. मा. वि. डीघल,बेरी, झज्जर**

**प्रतिमान -9 ('क्या निराश हुआ जाए' आधारित )**

देश में वर्तमान समय में अनेक सामाजिक बुराइयाँ दिखाई देती हैं । समाचार पत्रों को पढ़कर लगता है सच्चाई और ईमानदारी ख़त्म हो गई है। आज आदमी गुणी कम और दोषी अधिक दिख रहा है। आज लोगो की सच्चाई से आस्था डिगने लगी है। हमें लोभ, मोह, काम, क्रोध आदि को शक्ति मानकर, हार नहीं माननी चाहिए बल्कि उनका डट कर सामना करना चाहिए। हमें किसी के हाथ की कठपुतली न बनकर आत्म निर्भर बनना चाहिए। भारतीय हमेशा ही संतोषी प्रवृति के रहें हैं| आम आदमी की मौलिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कानून बनाए गए हैं किन्तु आज लोग ईमानदार नहीं रहे। भारत में कानून को धर्म माना गया है, किन्तु आज भी कानून से ऊँचा धर्म माना गया है। शायद इसीलिए आज भी लोगों में ईमानदारी, सच्चाई है।

समाज में कुछ लोग बुराई को रस लेकर बताते हैं। बुराई को त्याग कर अच्छाई व सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए । सच्चाई आज भी दुनिया में है। इसके कई उदाहरण आज भी हमें देखने को मिलते हैं |आज के समय में फैले हुए डकैती ,चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार से मन बहुत दुखी होता है। आदमी समाज में अपना विश्वास खोता जा रहा है | हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जो जितने ही ऊँचे पद पर हैं, उनमें उतने ही अधिक दोष दिखाए जाते हैं। जिस स्वतंत्र भारत का स्वप्न आज़ादी दिलाने वाले महापुरुषों ने देखा था, यह भारत अब उनके स्वप्नों का भारत नहीं रहा। आज के समय में ईमानदारी से कमाने वाले भूखे रह रहे हैं और धोखा धड़ी करने वाले राज कर रहे हैं।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1 उपर्युक्त पंक्तियों को पढ़कर उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2 वर्तमान और पहले के जीवन में आए कोई दो परिवर्तन के बारे लिखिए।

प्रश्न 3 आपके जीवन का कोई अनुभव जिससे आपको लगा हो कि अभी भी सच्चाई और ईमानदारी जीवित है | दो या तीन पंक्तियों में लिखिए ।

प्रश्न 4 यदि बस द्वारा यात्रा करने पर पूरी सवारी की टिकट 60 रूपए है और आधी टिकट की 30 रूपए यदि 52 सीट पर 40 सवारी पूरी टिकट हों और बस से टिकट द्वारा कुल 2760 रूपए की धन राशि एकत्रित हुई तो आधी टिकट कितनी काटी गई ?

प्रश्न 5 एक बस तीन घंटे में 60 कि.मी. प्रति घंटा की चाल से गंतव्य स्थान पर पहुँच जाती है बस द्वारा तय की गई कुल दूरी कितनी है ?

(i) 180 कि.मी. (ii) 60 कि.मी. (iii) 90 कि.मी. (iv) 120 कि.मी.

- **सरिता , बी0आर0पी0 हिंदी ब्लाक बेरी झज्जर**

## प्रतिमान - 10 (यह सबसे कठिन समय नहीं आधारित )

मनुष्य का जीवन संघर्षों से भरा है । उसको जीवन में दो प्रकार की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है- अनुकूल परिस्थितियां तथा प्रतिकूल परिस्थितियां । अनुकूल परिस्थितियों में जीवन सुखदाई होता हैं । इसके विपरीत जब हमारे जीवन में परिस्थितियां प्रतिकूल होती हैं तो हमारा जीवन कठिनाइयों से भर जाता है और अनेक बाधाएं उत्पन्न हो जाती है । यह माना जाता है कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हो जब तक सभी अपने-अपने कार्यो में रत हैं अर्थात अपने कार्य सुचारु रुप से चला रहे हैं ।आपस में भाईचारा है, सब एक दूसरे की मदद के लिए तैयार है, एक दूसरे का सहारा बनने को तैयार है, बच्चों को अपनी दादी .नानी का सानिध्य प्राप्त है, वे उनसे कहानियां सुनकर अपने बचपन में मस्त है, सभी की दिनचर्या यथावत चल रही है, अपनी मंजिल पर बिना बाधा के आ जा रहे है तब तक यह नहीं माना जा सकता कि कठिन समय आ गया है । जब तक मनुष्य आशावादी है, उसमें काम करने की शक्ति है तथा उसका अपना एक लक्ष्य है जिस पर वह हौसले के साथ केंद्रित है, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि उसके जीवन में सबसे कठिन समय आ गया है ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1. मनुष्य का जीवन संघर्षमयी क्यों माना गया है?

प्रश्न 2 आपके अनुसार मनुष्य अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना किस प्रकार करते हैं ?

प्रश्न 3 आशावादी शब्द से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 4 एक शहर में 131250 लोगों का कुपोषण का सर्वे किया गया द्य जिसमे 12440 बच्चे, 10255 पुरुष तथा 16760 महिलाएं कुपोषण से ग्रसित पाई गई , तो बताओ कितने उस शहर में कितने% लोग कुपोषण से ग्रसित पाए गए ?

क 35% ख 45% ग 30% घ 32%

प्रश्न 5 नेहा अपने घर से उत्तर दिशा में 15 कि.मी. चलती है फिर वह पश्चिम दिशा में मुड़कर 22 कि.मी. चलकर दक्षिण दिशा में मुड़ती है तथा 15 कि.मी. चलकर रुक जाती है , तो नेहा अपने घर से किस दिशा में तथा कितनी दूरी है ?

**- गीता सिन्धु प्रवक्ता , रा. व. मा. वि. भंभेवा ब्लाक बेरी झज्जर**

**<u>उत्तरमाला:</u>**

प्रतिमान -1

उत्तर-1 लोहा ,कोयला, जस्ता

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 पुरुषार्थ का

उत्तर-4 1500 वर्ग मीटर

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

प्रतिमान -2

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-5 550

प्रतिमान -3

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-4 100 प्रतिशत

उत्तर-5 6000

प्रतिमान -4

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 प्रविशेषण

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-5 500 मीटर

प्रतिमान -5

उत्तर-1 कोविड-19

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 12.71 प्रतिशत

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-5 आशा

प्रतिमान -6

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-4 60, 80

उत्तर-5 ½

प्रतिमान -7

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-5 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

प्रतिमान -8

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-4 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-5 16 दिन

प्रतिमान -9

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर-4 12 सवारी (आधी टिकट)

उत्तर-5 180 कि.मी.

प्रतिमान -10

उत्तर-1 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-2 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-3 छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे

उत्तर-4 30 प्रतिशत

उत्तर-5 22 कि.मी.